क्रांति आधी रात को जागती नाइट इकॉनामी और डार्क स्टोर्स के जाल से बदली लोगों की जीवनशैली

क्विक कॉमर्स क्रांति ने बदला पारंपरिक शॉपिंग का तरीका

मोहम्मद जुनैद खान

नवभारत, जबलपुर। रात के 11 बजे के बाद जब जबलपुर की मुख्य सड़कें और पारंपरिक बाज़ार पूरी तरह सन्नाटे में डूब जाते हैं, तब शहर की कॉलोनियों की अंदरूनी गलियों में एक नई हलचल शुरू होती है। यह हलचल है 'क्विक कॉमर्स' की, जिसने बिना कोई शोर किए संस्कारधानी के घरों और रसोई के काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। मेट्रो शहरों से निकला यह डिजिटल ट्रेंड अब जबलपुर के मध्यमवर्गीय परिवारों के डेली रूटीन और लाइफस्टाइल का एक अहम हिस्सा बन चुका है। दिलचस्प बात यह है कि यह बदलाव सिर्फ 10 से 15 मिनट में किराना सामान की डिलीवरी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने जबलपुर के सामाजिक ताने-बाने और शहर की रातों के भूगोल को पूरी तरह से बदल दिया है।

आखिर क्यों आई जबलपुर में क्विक कॉमर्स की क्रांति?

इस डिजिटल बदलाव के पीछे शहर का तेजी से बदलता वर्क कल्चर और न्यूक्लियर फैमिली (छोटे परिवारों) का बढ़ता चलन है। जबलपुर में अब वर्किंग कपल्स की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिनके पास पारंपरिक रूप से बाज़ार जाकर समय बिताने का वक्त नहीं बचता। इसके अलावा, स्मार्टफोन की आसान पहुंच, हाई-स्पीड इंटरनेट और डिजिटल पेमेंट के प्रति बढ़ते भरोसे ने इस क्रांति को सबसे ज्यादा रफ्तार दी है। लोग अब खुद गाड़ी चलाकर समान लेने के लिए जाने और पार्किंग की झंझट से बचने के लिए सीधे क्विक कॉमर्स ऐप्स पर भरोसा कर रहे हैं, जिसने इस पूरे सेक्टर को शहर में रातों-रात स्थापित कर दिया है।

आधी रात को दौड़ती शहर की नाइट इकॉनामी

ऐतिहासिक रूप से जबलपुर एक ऐसा शहर रहा है जहाँ रात 9:30 से 10 बजे तक मुख्य बाज़ार पूरी तरह बंद हो जाते हैं और 10:30 बजते-बजते सड़कें सूनी हो जाती हैं। लेकिन क्विक कॉमर्स ऐप्स की चौबीसों घंटे की उपलब्धता के बाद, सिविल लाइंस, नेपियर टाउन, राइट टाउन और विजय नगर जैसे प्रमुख रिहायशी इलाकों की सोती हुई सड़कों पर एक नई 'नाइट इकॉनमी' ने जन्म लिया है। वर्तमान में शहर के अलग-अलग कोनों में कुल 13 डार्क स्टोर्स पूरी क्षमता के साथ चौबीसों घंटे ऑपरेशनल हैं। इनके नेटवर्क के कारण अब रात 11 बजे भी लोगों के घरों में ताज़ा दूध, स्नैक्स या अचानक आई मेहमाननवाज़ी का सामान मिनटों में पहुँच रहा है। इसने रात के वक्त किसी इमरजेंसी या अचानक जरूरत के समय पड़ोसियों का दरवाज़ा खटखटाने के पुराने चलन को पूरी तरह ख़त्म कर दिया है।

कॉलोनियों के भीतर छिपे हाई-टेक डार्क स्टोर्स

इस पूरी क्रांति का सबसे बड़ा असर शहर के रिहायशी इलाकों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर पड़ रहा है। जबलपुर में चल रहे इन 13 डार्क स्टोर्स में से अकेले 8 ब्लिंकिट के हैं, 3 स्विगी इंस्टामार्ट के हैं और 2 फ्लिपकार्ट मिनट्स के हैं। ये सभी स्टोर्स किसी बड़े

कमर्शियल मार्केट या मॉल में नहीं, बल्कि घनी आबादी वाली रिहायशी कॉलोनियों के अंदर छिपे हुए आधुनिक मिनी-वेयरहाउस हैं। इसका मतलब यह है कि जिन शांत गलियों में पहले केवल स्थानीय गाड़ियां चलती थीं, वहाँ अब ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स का हब बन चुका है। रिहायशी इलाकों का इस तरह से हाई-टेक डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर में बदलना यह दिखाता है कि जबलपुर अब पारंपरिक रिटेल मॉडल से आगे निकलकर पूरी तरह से आधुनिक शहरीकरण को अपना रहा है।

इंस्टेंट शॉपिंग के नए ट्रेंड ने बदला पैटर्न

दूसरी तरफ, इस ट्रेंड ने जबलपुर के परिवारों, विशेषकर कामकाजी महिलाओं और होम-मेकर्स के बजट और सामान खरीदने के पैटर्न को पूरी तरह बदल दिया है। शहर में दशकों से एक परंपरा रही है कि महीने की शुरुआत में बाजार जाकर पूरे महीने का राशन एक साथ लिस्ट बनाकर लाया जाता था। लेकिन क्विक कॉमर्स ने इस एडवांस प्लानिंग मॉडल की जगह तुरंत संतुष्टि को दे दी है। अब गृहिणियां इस बात की चिंता नहीं करतीं कि सुबह अचानक क्या बनाना है। 'जितनी जरूरत, उतना तुरंत ऑर्डर' के इस शॉर्टकट ने घरों में सामान को भारी मात्रा में स्टॉक करने की सिरदर्दी को बेहद कम कर दिया है और किचन मैनेजमेंट को बेहद लचीला बना दिया है।

मेट्रो शहरों की कतार में खड़ा होता संस्कारधानी का बाज़ार

कुल मिलाकर, क्विक कॉमर्स का यह उभार जबलपुर के बदलते आर्थिक और सामाजिक स्तर का एक बड़ा प्रतीक है। तकनीक की इस स्वीकार्यता ने न केवल उपभोक्ताओं को एक बेजोड़ सुविधा दी है, बल्कि जबलपुर जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों को भी मेट्रो शहरों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह क्विक कॉमर्स बूम शहर के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को और कितना मजबूत करता है।

तेज़ी से बढ़ते आंकड़े और मार्केट शेयर का गणित

अगर आंकड़ों की बात करें तो जबलपुर टियर-2 शहरों में क्विक कॉमर्स को अपनाने के मामले में काफी आगे निकल रहा है। ताज़ा आंकड़े ये बयान करते है कि जबलपुर के इस उभरते बाज़ार पर फिलहाल ब्लिंकिट का सबसे बड़ा दबदबा है, जिसके पास अकेले 61.5 प्रतिशत का मार्केट शेयर है। इसके बाद स्विगी इंस्टामार्ट का लगभग 25 प्रतिशत बाजार पर कब्जा है, जबकि हाल ही में एंट्री करने वाले फिलपकार्ट मिनट्स ने भी तेजी से अपनी पकड़ मजबूत करते हुए लगभग 13.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा जमा लिया है। यह आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि जबलपुर के उपभोक्ता कितनी तेजी से डिजिटल ग्रोसरी की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं।

इनका कहना है

शहर में क्विक कॉमर्स इसीलिए तेजी से बढ़ रहा है, क्योंकि कितना भी बड़ा समान हो, प्रिंटिंग पेपर हो या प्रिंटर 10-15 मिनट में घर पहुंच जाता है और हमें खुद गाड़ी चलाकर दुकान नहीं जाना पड़ता। इससे समय भी बचता है और सहूलियत भी होती है, हालांकि डिलिवरी चार्जेस लगने की वजह से दुकान के मुकाबले समान जरा सा महंगा हो जाता है, लेकिन लोग पैसे बचाने के बजाय सहूलियत को प्राथमिकता देते है। अभी तो क्विक कॉमर्स की शुरुआती चरणों में है आने वाले समय में क्विक कॉमर्स और भी तेजी से बढ़ेगा।

आयुष अग्रवाल
इक्विटी रिसर्च एनालिस्ट

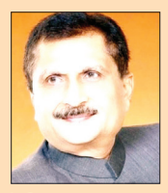

क्विक कॉमर्स का चलन इसीलिए तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि लोगों के घर से कदम बाहर रखे बिना सारा जरूरत का समान उनके घर के दरवाजे तक आता है।

इसके साथ हर 5 किलोमीटर पर एक डार्क स्टोर होने की वजह से समान पहुंचने में महज 10-15 मिनट लगते है। भले ही आधी रात हो फिर भी एक चिप्स का पैकेट या दवाई के पत्ते जैसी छोटी चीजें भी आप के घर समय पर पहुंचती है। इस डिजिटल क्रांति ने ग्राहकों को सहूलियत भी दी है और उनका समय भी बचाया है।

प्रेम दुबे
प्रेसिडेंट, जबलपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

बदलेगी एमयू कुलपति नियुक्ति की शर्त

हाईकोर्ट में चुनौती के बाद सरकार का यू-टर्न

जबलपुर। मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, एमयू के कुलपति की नियुक्ति में सरकारी मेडिकल कालेज में प्रोफेसर के रूप में 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य करने वाली शर्त पर सरकार अब पीछे हटेगी। हाईकोर्ट में राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि इस प्रावधान को हटाने के लिए विधानसभा में नया विधेयक लाया जाएगा। बिल पारित होने के बाद कुलपति नियुक्ति की पूर्व व्यवस्था फिर लागू हो जाएगी। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिर्स प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने सरकार के बयान को रिकार्ड पर लेते हुए विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होगी। दरअसल, जबलपुर के सुखसागर मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डॉ. पंकज कमल धरडे ने एमपी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, संशोधन अधिनियम, 2023 को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। संशोधन के तहत कुलपति पद के लिए सरकारी मेडिकल कालेज में प्रोफेसर के रूप में 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य किया गया था। याचिका में कहा गया कि इस शर्त से निजी मेडिकल कालेजों और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्यरत अनुभवी प्रोफेसरों व शिक्षाविदों के लिए कुलपति पद के अवसर बंद हो गए। इसे याचिकाकर्ता ने मनमाना और भेदभावपूर्ण बताया है। सरकार के रुख में बदलाव के बाद हाईकोर्ट ने याचिका को संबंधित प्रकरण के साथ संलग्न कर संयुक्त सुनवाई के निर्देश दिए हैं।

भुसावल-कटनी एक ट्रिप निरस्त

जबलपुर। मध्य रेल के भुसावल मंडल में भादली-जलगांव रेलखंड पर पांचवीं रेललाइन कनेक्शन के लिए प्री-एनआई एवं नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते पश्चिम मध्य रेल की भुसावल-कटनी-भुसावल एक्सप्रेस ट्रेन एक-एक ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 19013 भुसावल-कटनी एक्सप्रेस 12 अगस्त को भुसावल से तथा 19014 कटनी-भुसावल एक्सप्रेस 14 अगस्त को कटनी से अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले एनटीईएस या 139 रेल मदद के माध्यम से ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है।

डॉ. लाल पैथलैब्स के सैंपल कलेक्शन सेंटर को किया गया सील

नवभारत, जबलपुर। अनियमितता पाए जाने पर काँचघर स्थित डॉ लाल पेथलैब्स सैंपल कलेक्शन सेंटर को स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की टीम द्वारा बुधवार को सील कर दिया गया है वहीं लेबर चौक, स्नेह नगर जबलपुर स्थित जनता पाइल्स आयुर्वेदिक हॉस्पिटल को नोटिस जारी किया गया है।

जानकारी के अनुसार सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी के निर्देश पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अमिता जैन, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जया श्रीवास्तव,

जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील तथा सदस्य विकास श्रीवास्तव के जाँच दल द्वारा काँचघर स्थित डॉ लाल पेथलैब्स सैंपल कलेक्शन सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में इलाइट इंजीनियरिंग बायोमेडिकल बेस्ट का रजिस्टर प्राप्त नहीं हुआ और डॉ लाल पेथलैब्स सैंपल कलेक्शन सेंटर में कार्यरत टेक्नीशियन के पास न्यू दिल्ली पैरामेडिकल काउंसिल व मध्य प्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल का रजिस्ट्रेशन नहीं मिला। इसके बाद टीम द्वारा सेंटर को तत्काल सील कर उन्हें तीन दिवस का समय दिया गया है कि वह सेंटर से संबंधित व कार्यरत स्टॉफ के समस्त डॉक्यूमेंट लेकर सीएमएचओ कार्यालय में उपस्थित हों। इसके अलावा लेबर चौक, स्नेह नगर जबलपुर स्थित जनता पाइल्स हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान हॉस्पिटल का पंजीयन आयुर्वेदिक उपचार के लिए किया गया था लेकिन वहां एलोपैथिक दवाइयां प्राप्त हुई। इलाइट इंजीनियरिंग बायो मेडिकल वेस्ट का पंजीयन था परन्तु मेंटेनेंस रजिस्टर नहीं मिला। अस्पताल को नोटिस देकर सभी कार्यरत स्टॉफ की शैक्षणिक योग्यता सर्टिफिकेट तथा अस्पताल के पंजीयन से संबंधित समस्त डॉक्यूमेंट लेकर विक्टोरिया सीएमएचओ ऑफिस में तीन दिन दिवस के अंदर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।

साईं अस्पताल पर किशोरी का चोरी-छिपे प्रसव कराने का आरोप

जबलपुर। विजय नगर स्थित श्री साईं अस्पताल विवाद में घिर गया है। अस्पताल प्रबंधन पर नियमों को ताक पर रखकर एक किशोरी का चोरी-छिपे प्रसव कराने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले की लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता संजय तिवारी ने पुलिस को सौंपी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि विजय नगर स्थित श्री साईं अस्पताल के भीतर बेहद गुप्त तरीके से किशोरी के प्रसव को अंजाम दिया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मांग की है कि अस्पताल के डिलीवरी से जुड़े दस्तावेजों, उस दौरान के सीसीटीवी फुटेज, ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के स्टॉक व भूमिका की पूरी गहनता से जांच की जाए। इस पूरे मामले पर विजय नगर थाना प्रभारी ने स्थिति साफ की है। थाना प्रभारी के अनुसार, यह मामला करीब एक महीना पुराना है। चूंकि यह शिकायत पूरी तरह से चिकित्सा क्षेत्र और स्वास्थ्य विभाग के नियमों से जुड़ी हुई है, इसलिए पुलिस ने इसे सीधे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भेज दिया है। बताया जाता है कि स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम अस्पताल के रिकॉर्ड और स्टाफ के बयानों की जांच करेगी।

आरपीएफ का नन्हे फरिश्ते अभियान रंग लाया

भटके बालक को मिला सुरक्षित आश्रय

जबलपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट जबलपुर ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग बालक का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित संरक्षण उपलब्ध कराया। उप निरीक्षक राजकुमार चंदेल, आरक्षक अरुण यादव एवं राम अवतार गश्त के दौरान पोस्ट क्षेत्र में एक बालक लावारिस अवस्था में घूमता मिला। पूछताछ में संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर उसे आरपीएफ पोस्ट लाया गया, जहां बालक ने बताया कि वह अपने माता-पिता को बिना बताए घर से हरिद्वार जाने निकला था, लेकिन गलती से जबलपुर आने वाली ट्रेन में बैठ जाने के कारण यहां पहुंच गया। बालक की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आरपीएफ ने आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई और चिकित्सकीय परीक्षण कराया। इसके बाद बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), जबलपुर के निर्देशानुसार बालक को नियमानुसार शासकीय बाल गृह, गोहलपुर में सुरक्षित सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ की इस त्वरित कार्रवाई से एक नाबालिग को सुरक्षित बाल संरक्षण प्रणाली से जोड़ा गया।

120 पैकेट चम्मच, 60 बोरी कैरीबेग, 100 पैकेट डिस्पोजल जब्त, 2 लाख 70 हजार की वसूली

ट्रांसपोर्ट कार्यालयों में रखी थी बड़ी मात्रा में पॉलिथिन-चम्मच

नवभारत, जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशों के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा की गयी है।

कार्यवाही के संबंध में उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के उद्देश्य से नगर निगम की टीम ने शहर के

व्यावसायिक स्थलों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई, जिसमें 60 बोरी अमानक कैरीबेग, 120 पैकेट प्लास्टिक चम्मच और 100 पैकेट डिस्पोजल आइटम शामिल थे। टीम ने चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर स्थित विराग रोडवेज, कैलाश चंदानी एवं अनुप नागरईया के प्रतिष्ठानों पर सीधी कार्रवाई करते हुए जब्ती की प्रक्रिया पूरी की गई। इस संपूर्ण जब्ती कार्रवाई एवं नियमों के उल्लंघन पर कुल 2 लाख 70 हजार की राशि दंड स्वरूप वसूल की गई।

विद्यार्थी स्टॉप डैम के पिलरों से कूदकर जाते हैं स्कूल

जबलपुर। विदिशा जिले के गुलाबगंज तहसील के अंतर्गत आने वाले चार गांव के छात्र-छात्राएं बेतवा नदी में स्टॉप डेम के बनाये गये पिलरों पर कूदकर स्कूल जाते है। छात्र-छात्राएं स्कूल जाने के लिए रोजाना अपनी जान जोखिम में डालते है। इस संबंध में प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस प्रदीप मित्तल ने मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल तस्वीर के साथ प्रकाशित खबर में कहा गया था कि विदिशा जिले के गुलाबगंज तहसील स्थित बेतवा नदी में स्टॉप डेम के लिए पिलरों का निर्माण कर दिया गया है। नदी में बने 9 पिलरों का उपयोग छात्र-छात्राएं स्कूल जाने के लिए करते है। छात्र .छात्राएं संतुलन बनाते हुए एक .एक पिलर को कूदकर नदी को पार करते हुए शासकीय हाईस्कूल पलोह जाते है। स्कूलों जाने लिए छात्रों को रोजाना जान जोखिम में डालते है। छात्रों को मजबूरन ऐसा इसलिए करना पड़ता है कि सड़क मार्ग का रास्ता 10 से 15 किलोमीटर लंबा है। युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ तथा अधिवक्ता हिमांशु मिश्रा को कोर्ट मित्र अधिवक्ता नियुक्त करते हुए उनसे नदी में पुल बनाने या स्टॉप डेम बनाकर आने जाने के लिए रास्ता बनाने जाने के संबंध में सुझाव मांगे है। याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया गया कि स्टॉप डेम के दोनों तरफ बेरिकेटिक कर चौकीदार की नियुक्ति की गयी है। न्यायिक अधिकारियों की टीम के द्वारा भी निरीक्षण किया गया है। किरमची बंधेरा के माध्यमिक स्कूल को अपग्रेड कर हाई स्कूल में तब्दील करने का प्रस्ताव लोक शिक्षण संचालनालय को भेजा गया है। वर्तमान में उक्त स्कूल में अस्थाई तौर पर हाई स्कूल में तब्दील कर दो शिक्षकों को नियुक्ति किया गया है।

सिंगोद स्कूल में फिर शुरू होगी पढ़ाई, याचिका निराकृत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने सिंगोद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर को बंद किए जाने के मामले में याचिका का निराकरण कर दिया है। एकलपीठ ने चार अगस्त को अंतिम सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन को रिकार्ड पर लेते हुए याचिका का निराकरण किया। सरकार की ओर से बताया गया कि सिंगोद का विद्यालय पूर्व की तरह संचालित किया जाएगा और विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।दरअसल, सिंगोद स्थित शासकीय विद्यालय को बंद कर विद्यार्थियों की पढ़ाई दूसरे स्थान पर संचालित किए जाने के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। याचिका में स्कूल को पुन- खोलने और पूर्व में अध्ययनरत विद्यार्थियों को निर्बाध रूप से पढ़ाई जारी रखने की व्यवस्था करने की मांग की गई थी। मामले में सरकार की ओर से न्यायालय को बताया गया कि सिंगोद के पुराने विद्यालय को कक्षा छह से दसवीं तक वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल के नाम से जारी रखा जाएगा।

आग खजरी खिरिया बायपास स्थित गोदाम का ताला तोड़कर अंदर पहुंचे दमकलकर्मी, बड़ा हादसा टला

टायर गोदाम में धधकी भीषण आग, पांच दमकलों ने एक घंटे बाद पाया काबू

नवभारत, जबलपुर। शहर के खजरी खिरिया बायपास स्थित एक टायर गोदाम में बुधवार दोपहर अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम से उठता काले धुएं का घना गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा।

सूचना मिलते ही नगर निगम के दमकल अमले ने तत्काल मोर्चा संभाला और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इससे

आसपास के क्षेत्र में आग फैलने का बड़ा खतरा टल गया। नगर निगम के सहायक अग्निशमन अधिकारी आकाश श्रीवास्तव ने बताया की आग लगने की सूचना मिलते ही और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। दमकल दल ने पहुंचते ही आग पर नियंत्रण के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

गोदाम में आग तेजी से फैल चुकी थी

सहायक दमकल अधिकारी ने बताया की मौके पर पहुंचने पर पता चला गोदाम मोहम्मद कासिम का है और आग तेजी से फैल चुकी थी। गोदाम पर ताला लगा होने के कारण दमकल कर्मियों ने पहले ताला तोड़ा, फिर अंदर प्रवेश कर पानी की बौछारों से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। लगातार प्रयास के बाद करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

इनका कहना है

पांच दमकलों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गोदाम का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर आग बुझाई गई। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका है, जांच जारी है।

आकाश श्रीवास्तव
सहायक अग्निशमन अधिकारी ननि

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57